



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 13 अक्टूबर, 2006/21 आश्विन, 1928

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 13 अक्टूबर, 2006

संख्या एल० एल० आर०-डी०(६)-२८/२००६-लेज.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद २०० के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक ११-१०-२००६ को

अनुमोदित हिमाचल प्रदेश न्यायिक अधिकारी (वेतन और सेवा की शर्तें) संशोधन विधेयक, 2006 (2006 का विधेयक संख्यांक 23) को वर्ष 2006 के अधिनियम संख्यांक 23 के रूप में संविधान के अनुच्छेद 348(3) के अधीन उसके अंग्रेजी प्राधिकृत पाठ सहित हिमाचल प्रदेश राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित करते हैं।

आदेश द्वारा,

सुरेन्द्र सिंह ठाकुर,
प्रधान सचिव (विधि)।

2006 का अधिनियम संख्यांक 23

हिमाचल प्रदेश न्यायिक अधिकारी (वेतन और सेवा की शर्तें)
संशोधन अधिनियम, 2006

(राज्यपाल महोदय द्वारा तारीख 11 अक्टूबर, 2006 को यथाअनुमोदित)

हिमाचल प्रदेश न्यायिक अधिकारी (वेतन और सेवा की शर्तें) अधिनियम,
2003 (2003 का 13) का संशोधन करने के लिए अधिनियम ।

भारत गणराज्य के सत्तावनवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा
निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो:-

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश न्यायिक अधिकारी संक्षिप्त नाम।
(वेतन और सेवा की शर्तें) संशोधन अधिनियम, 2006 है ।

2. हिमाचल प्रदेश न्यायिक अधिकारी (वेतन और सेवा की शर्तें) बृहत् नाम
2003 का 13 अधिनियम, 2003 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'मूल अधिनियम' कहा गया है) के का
बृहत् नाम में "न्यायिक अधिकारियों के वेतन" शब्दों के पश्चात् ",भत्ते" चिन्ह संशोधन।
और शब्द अन्तः स्थापित किया जाएगा ।

3. मूल अधिनियम की धारा 1 में कोष्ठक और शब्द "(वेतन" के धारा 1 का
पश्चात् ",भत्ते" चिन्ह और शब्द अन्तः स्थापित किया जाएगा । संशोधन ।

4. मूल अधिनियम की धारा 2 में विद्यमान खण्ड (क) को खण्ड (कक) धारा 2 का
के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित खण्ड संशोधन ।
(कक) से पूर्व निम्नलिखित नया खण्ड (क) अन्तः स्थापित किया जाएगा,
अर्थात् :-

"(क) "भत्तों" से हिमाचल प्रदेश में न्यायिक अधिकारियों को
31 जुलाई, 2006 को अनुज्ञेय भत्ते अभिप्रेत हैं;" ।

धारा 3 का
संशोधन ।

5. मूल अधिनियम की धारा 3 में,—

(क) शीर्षक में "वेतन" शब्द के पश्चात् "और भत्तों की दरें" शब्द अन्तः स्थापित किए जाएंगे; और

(ख) उप-धारा (1) के पश्चात् निम्नलिखित उप-धारा (2) अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

"(2) न्यायिक अधिकारियों के भत्तों की दरें और सेवा की अन्य शर्तें ऐसी होंगी जैसी विहित की जाएं।" ।

धारा 4
और 5 का
संशोधन ।

6. मूल अधिनियम की धारा 4 और 5 में "वेतन" शब्दों के स्थान पर, जहां-जहां वे आते हैं, "वेतन, भत्ते" शब्द और चिन्ह रखे जाएंगे ।

**THE HIMACHAL PRADESH JUDICIAL OFFICERS (PAY AND CONDITIONS OF SERVICE)
AMENDMENT ACT, 2006**

(AS ASSENTED TO BY THE GOVERNOR ON 11TH OCTOBER, 2006)

AN

ACT

*to amend the Himachal Pradesh Judicial Officers (Pay and Conditions of Service)
Act, 2003 (Act No. 13 of 2003).*

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fifty-seventh Year of the Republic of India, as follows:—

1. This Act may be called the Himachal Pradesh Judicial Officers (Pay and Conditions of Service) Amendment Act, 2006. Short title.

2. In long title of the Himachal Pradesh Judicial Officers (Pay and Conditions of Service) Act, 2003 (hereinafter referred to as the "principal Act"), after the words "regulation of the pay", the sign and word ", allowances" shall be inserted. Amendment of long title.

3. In section 1 of the principal Act, in sub-section (1), after the bracket and word "(Pay)", the sign and word ", Allowances" shall be inserted. Amendment of section 1.

4. In section 2 of the principal Act, existing clause (a) shall be renumbered as clause (aa) and before clause (aa) as so renumbered, the following new clause (a) shall be inserted, namely:— Amendment of section 2.

"(a) "Allowances" means the allowances admissible to the Judicial Officers in Himachal Pradesh on 31st July, 2006;".

5. In section 3 of the principal Act,—

Amendment of section 3.

(a) in the heading, after the word "Salaries", the words "and rates of allowances" shall be inserted; and

(b) after sub-section (1), the following sub-section (2) shall be inserted, namely:—

"(2) The rates of allowances and other conditions of services of the Judicial Officers shall be such as may be prescribed."

6. In sections 4 and 5 of the principal Act, for the word "pay" wherever it occurs, the words and sign "pay, allowances" shall be substituted. Amendment of sections 4 and 5.

